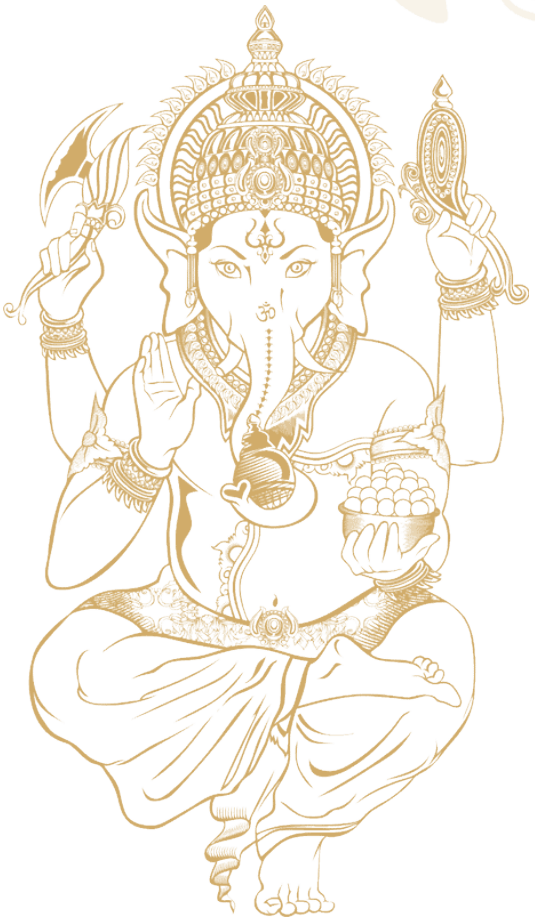

Dipak

18 Sep 1994

04:15 PM

Neemuch

Model: Varshphal-2017 **Order No: 121814501**

तिथि 18/09/1994 **समय** 16:15:00 **वार** रविवार **स्थान** Neemuch **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:47:13
अक्षांश 24:27:00 उत्तर **रेखांश** 74:56:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:30:16 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	15:33:14 घं
वेलान्तर	00:05:42 घं
सूर्योदय	06:17:24 घं
सूर्यास्त	18:31:15 घं
चैत्रादि संवत	2051
शक संवत	1916
मास	भाद्रपद
पक्ष	शुक्ल
तिथि	14
नक्षत्र	शतभिषा
योग	शूल
करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(रा.-न.)	रजत-ताम्र
होरा	बुध
चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी

राहु 6वर्ष 2मा 7दि
शनि
25/11/2016
26/11/2035

शनि	29/11/2019
बुध	08/08/2022
केतु	17/09/2023
शुक्र	17/11/2026
सूर्य	30/10/2027
चन्द्र	30/05/2029
मंगल	09/07/2030
राहु	15/05/2033
गुरु	26/11/2035

योगिनी

धान्या 1वर्ष 0मा 11दि
मंगला
29/09/2025
30/09/2026

मंगला	09/10/2025
पिंगला	30/10/2025
धान्या	29/11/2025
भ्रामरी	09/01/2026
भद्रिका	01/03/2026
उल्का	30/04/2026
सिद्धा	10/07/2026
संकटा	30/09/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:05:46	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	---	0:00			
सूर्य			01:30:29	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	सम राशि	1.15	कलत्र	पितृ	वध
चंद्र			15:25:00	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	शुक्र	सम राशि	1.03	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			26:45:05	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	0.96	आत्मा	भ्रातृ	सम्पत
बुध			26:19:44	कन्या	चित्रा	1	मंगल	गुरु	स्वराशि	1.14	अमात्य	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु			18:55:36	तुला	स्वाति	4	राहु	चंद्र	शत्रु राशि	1.00	भ्रातृ	धन	जन्म
शुक्र			14:28:44	तुला	स्वाति	3	राहु	केतु	मूलत्रिकोण	1.01	पुत्र	कलत्र	जन्म
शनि	व		13:58:38	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	बुध	मूलत्रिकोण	1.33	ज्ञाति	आयु	जन्म
राहु	व		22:10:55	तुला	विशाखा	1	गुरु	शनि	मित्र राशि		---	ज्ञान	सम्पत
केतु	व		22:10:55	मेष	भरणी	3	शुक्र	शनि	मित्र राशि		---	मोक्ष	साधक

लग्न-चलित

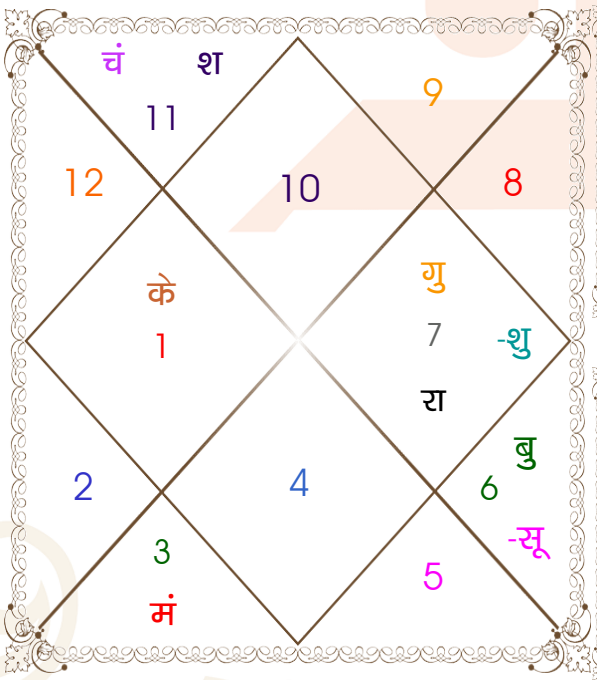

चन्द्र कुंडली

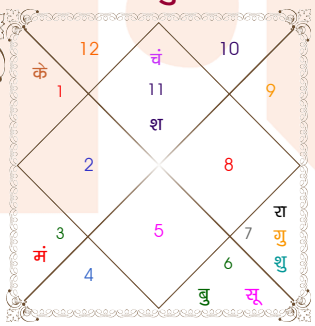

नवमांश कुंडली

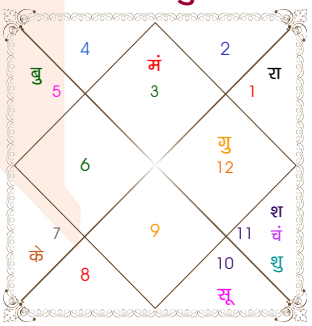

सर्वाष्टकवर्ग

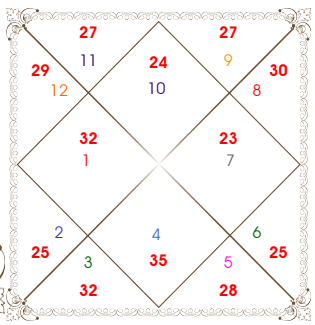

दशमांश कुंडली

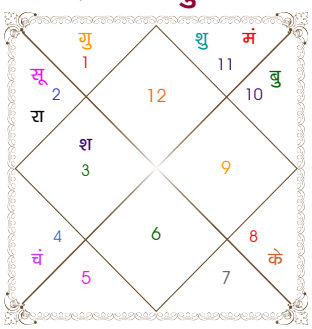

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशान हो सकते है साथ ही मानसिक स्थिति भी अशान्त रहेगी तथा यदा कदा उद्विग्नता एवं व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें अल्प मात्रा में ही आपको सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद का भाव रहेगा। इस समय मातृ पक्ष या ससुराल से आप को न्यूनाधिक मात्रा में लाभ की भी प्राप्ति होगी साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति एवं उपभोग भी आप करेंगे परन्तु इसकी मात्रा में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी आपकी सामान्य श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्य कलापों की आप उपेक्षा करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष सामान्यतया उन्नतिकारक एवं परिश्रमशील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से आप को व्यापार में अल्प सफलता ही प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग में भी रूकावट आएंगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आप की उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे एवं विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा । इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नेता या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा इनसे लाभ एवं सहयोग भी अल्प ही प्राप्त होगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी इस वर्ष मध्यम रहेगा साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट से परेशान रहेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी अशान्ति या उद्विग्नता बनी रहेगी। मित्र एवं संबधियों से आपके संबध मध्यम रहेंगे तथा उनसे विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।इस समय यदा कदा संबधों में तनाव भी उत्पन्न होगा तथा शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा एवं पग पग पर आपके लिए परेशानी उत्पन्न करेगा जिससे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसी स्थिति से आपको सावधान रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष विशेष सुदृढ़ नहीं रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही लाभ एवं धनार्जन होगा परन्तु यदा कदा व्यय अधिक होगा। अतः ऐसे समय में आप आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के लिए भी यह वर्ष सामान्य रहेगा इस समय स्व परिश्रम एवं संघर्ष से आपको अल्प सफलता मिलेगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावनाएं बनेगी परन्तु उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ सहयोगियों से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में कार्यो में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सावधान रहें तथा उनकी उपेक्षा न करें इसके अतिरिक्त मानसिक संकल्पों तथा शुभ कार्यो में आपको अल्प ही सफलता प्राप्त होगी। अतः शान्ति एवं धैर्यपूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

प्रथम मास
18/09/2026 20:58:10 से 19/10/2026 08:19:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	20:22:17
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:30:29
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:07:18
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	00:06:38
बुध		कन्या	हस्त	18:39:31
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:02:51
शुक्र		तुला	स्वाति	10:30:54
शनि	व	मीन	रेवती	18:17:21
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:16:28
केतु	व	सिंह	मघा	05:16:28
मुंथा		कन्या	हस्त	19:05:46

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

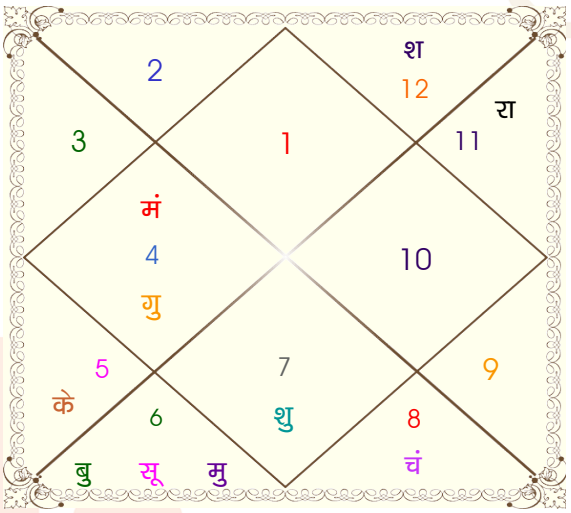

इस मास में आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे अनावश्यक चिन्ताएं तथा समस्याएं बढ़ेंगी। इस समय चोरों से भी सावधान रहना चाहिए तथा अपने उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित हो सकते हैं। इस मास में आपको सांसारिक कार्यों में भी असफलता मिलेगी तथा धन भी अनावश्यक रूप से व्यय होगा। इसके साथ ही आप किसी गलत कार्य को करने के लिए भी प्रेरित होंगे तथा ऐसे कार्यों को करके आप बाद में पश्चाताप करेंगे। अपने सम्बन्धियों से भी आपकी अनबन हो सकती है तथा मान हानि का भी योग बनता है एवं आशाओं में भी असफलता प्राप्त होगी।

परन्तु उपरोक्त अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री से सुखी , बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार के सुख प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा तथा किसी धार्मिक कार्य को भी सम्पन्न करेंगे।

द्वितीय मास
19/10/2026 08:19:03 से 18/11/2026 07:37:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	24:47:20
सूर्य		तुला	चित्रा	01:30:29
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:20:34
मंगल		कर्क	आश्लेषा	17:39:08
बुध		तुला	विशाखा	25:11:07
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:20:35
शुक्र	व	तुला	स्वाति	09:30:14
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:56:31
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	03:48:01
केतु		सिंह	मघा	03:48:01
मुंथा		कन्या	हस्त	21:35:46

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

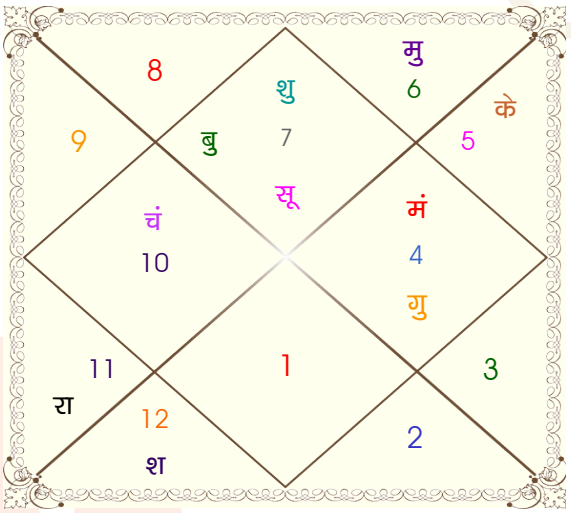

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
18/11/2026 07:37:19 से 17/12/2026 21:58:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	11:23:49
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	01:30:29
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	08:13:58
मंगल		सिंह	मघा	02:27:31
बुध		तुला	स्वाति	12:26:52
गुरु		सिंह	मघा	01:47:59
शुक्र		कन्या	चित्रा	28:57:17
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:09:45
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:54:26
केतु	व	सिंह	मघा	00:54:26
मुंथा		कन्या	चित्रा	24:05:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

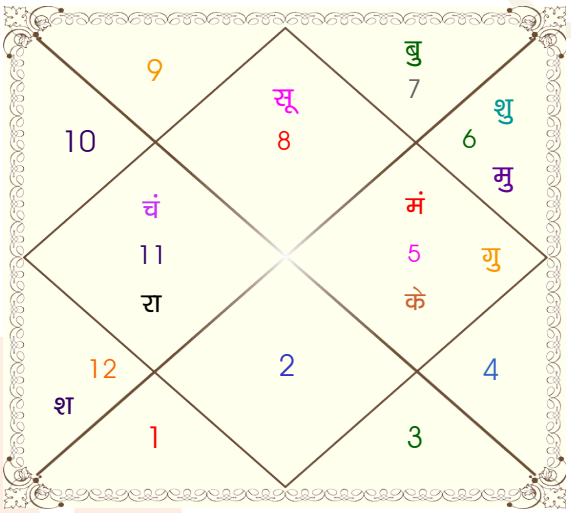

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
17/12/2026 21:58:58 से 16/01/2027 08:42:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	28:23:57
सूर्य		धनु	मूल	01:30:29
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:47:23
मंगल		सिंह	मघा	12:57:38
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:08:58
गुरु	व	सिंह	मघा	02:45:10
शुक्र		तुला	स्वाति	15:52:03
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:44:09
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:00:08
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:00:08
मुंथा		कन्या	चित्रा	26:35:46

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

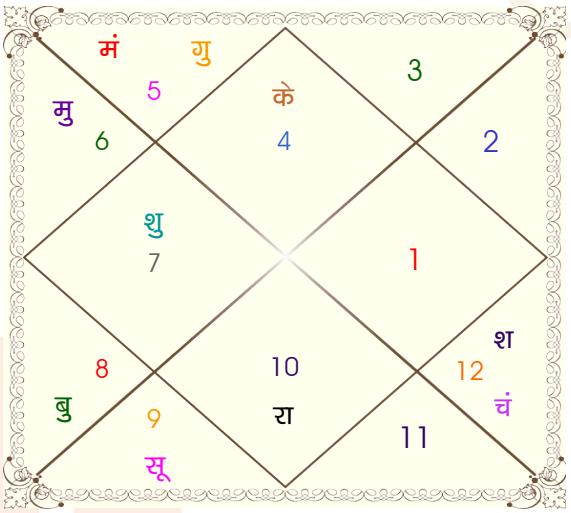

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
16/01/2027 08:42:05 से 14/02/2027 21:57:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	24:32:02
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:30:29
चन्द्र		मेष	अश्विनी	04:54:39
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:59:21
बुध		मकर	श्रवण	10:36:18
गुरु	व	सिंह	मघा	00:57:41
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	15:05:41
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:51:30
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:33:02
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:33:02
मुंथा		कन्या	चित्रा	29:05:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

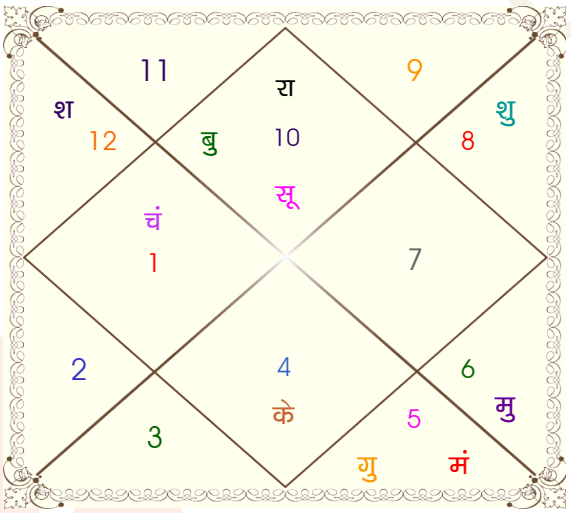

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते है। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा ।मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

14/02/2027 21:57:01 से 16/03/2027 19:19:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	20:26:31
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	01:30:29
चन्द्र		वृष	कृतिका	06:02:14
मंगल	व	सिंह	मघा	08:29:38
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	09:36:37
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:18:55
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:35:04
शनि		मीन	रेवती	17:18:20
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:16:36
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:16:36
मुंथा		तुला	चित्रा	01:35:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

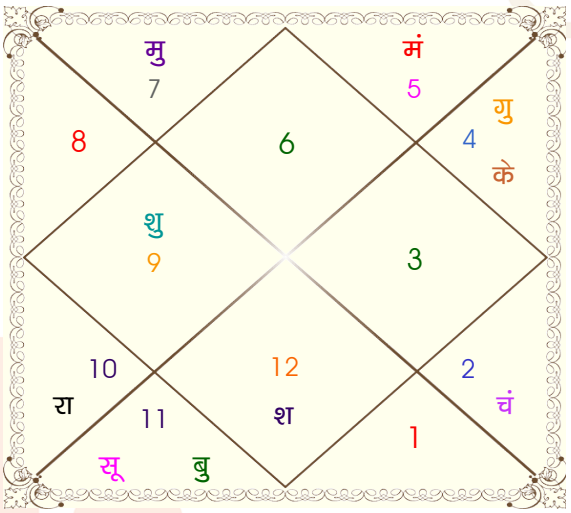

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास
16/03/2027 19:19:04 से 16/04/2027 04:25:30 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	11:20:23
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	01:30:29
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	13:13:03
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	28:19:01
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	03:54:02
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:55:45
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	24:01:21
शनि		मीन	रेवती	20:39:59
राहु		मकर	धनिष्ठा	25:46:38
केतु		कर्क	आश्लेषा	25:46:38
मुंथा		तुला	चित्रा	04:05:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

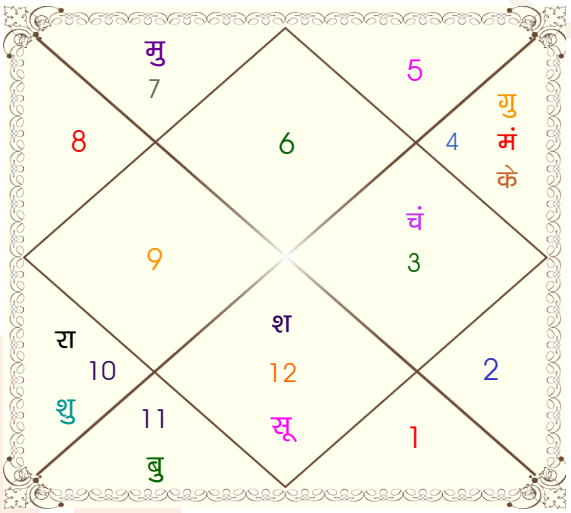

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
16/04/2027 04:25:30 से 17/05/2027 01:51:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:51:00
सूर्य		मेष	अश्विनी	01:30:29
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	27:43:48
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:52:32
बुध		मीन	रेवती	18:05:27
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:46:01
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	00:39:37
शनि		मीन	रेवती	24:27:51
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	23:58:24
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	23:58:24
मुंथा		तुला	चित्रा	06:35:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

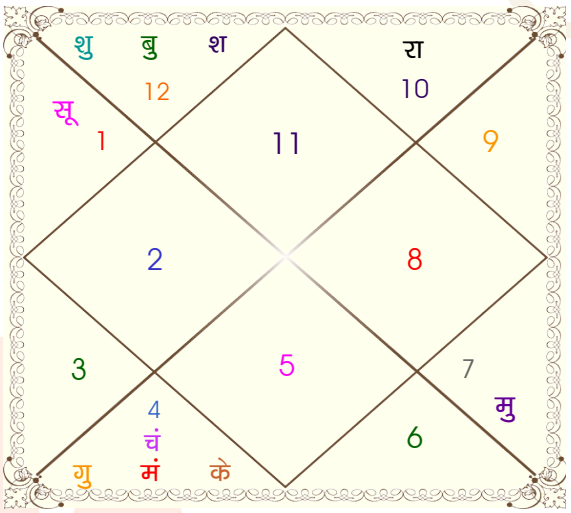

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास
17/05/2027 01:51:55 से 17/06/2027 08:50:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	15:15:42
सूर्य		वृष	कृतिका	01:30:29
चन्द्र		कन्या	हस्त	17:59:14
मंगल		सिंह	मघा	06:35:51
बुध		वृष	रोहिणी	20:09:32
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:26:44
शुक्र		मेष	अश्विनी	08:09:20
शनि		मीन	रेवती	28:11:08
राहु	व	मकर	श्रवण	20:58:15
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	20:58:15
मुंथा		तुला	स्वाति	09:05:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

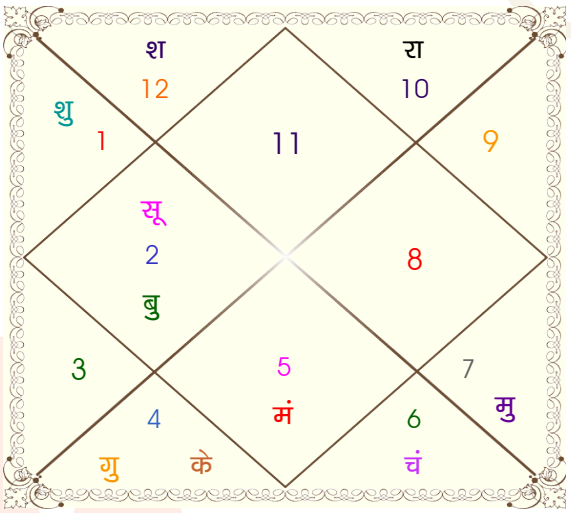

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
17/06/2027 08:50:11 से 18/07/2027 19:45:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	12:19:44
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	01:30:29
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	10:08:22
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:36:58
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	10:41:30
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:31:30
शुक्र		वृष	रोहिणी	16:15:56
शनि		मेष	अश्विनी	01:16:59
राहु	व	मकर	श्रवण	18:12:15
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	18:12:15
मुंथा		तुला	स्वाति	11:35:46

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

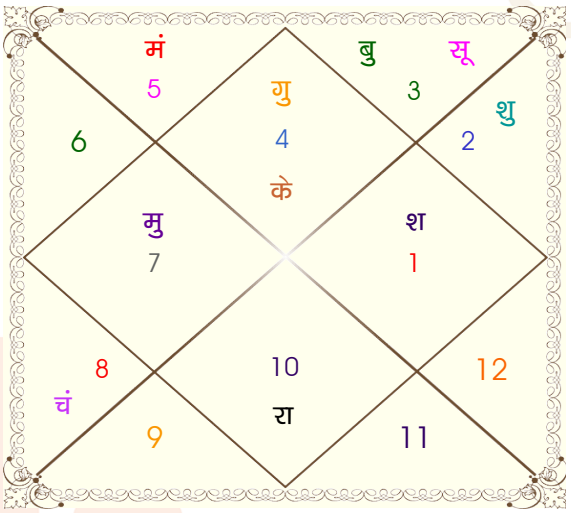

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए।साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रूधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

एकादश मास
18/07/2027 19:45:37 से 19/08/2027 03:52:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:15:23
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	01:30:29
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:50:12
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:40:56
बुध		मिथुन	आर्द्रा	11:12:31
गुरु		सिंह	मघा	04:13:17
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	24:46:33
शनि		मेष	अश्विनी	03:12:41
राहु	व	मकर	श्रवण	17:12:51
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:12:51
मुंथा		तुला	स्वाति	14:05:46

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

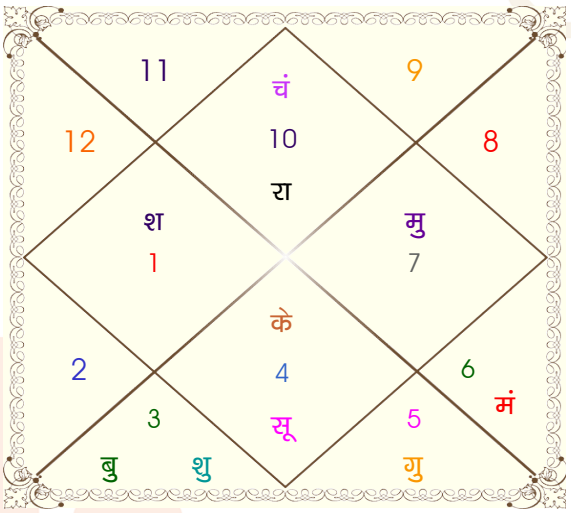

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

द्वादश मास

19/08/2027 03:52:35 से 19/09/2027 03:16:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुनर्वसु	01:27:44
सूर्य		सिंह	मघा	01:30:29
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	19:18:35
मंगल		कन्या	चित्रा	26:39:46
बुध		सिंह	मघा	09:04:16
गुरु		सिंह	मघा	10:45:46
शुक्र		सिंह	मघा	03:24:59
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:33:38
राहु	व	मकर	श्रवण	17:15:07
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:15:07
मुंथा		तुला	स्वाति	16:35:46

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

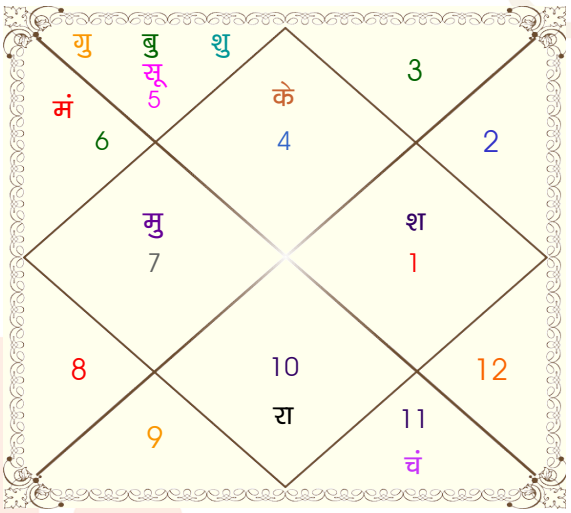

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु भी आपसे अधिक बलवान होंगे अतः उनकी ओर से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके व्यापार आदि कार्यो में मन्दी रहेगी तथा नौकरी आदि में भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आप किसी कार्य को परिवर्तन कर सकते है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में दूसरे लोगों के साथ आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता परिलक्षित होगी। इसके अतिरिक्त आपके इस मास में धन हानि के योग बनेंगे तथा शरीर किसी नवीन रोग से पीड़ित हो सकता है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यो को सोच समझ कर सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री तथा पुत्र से आप सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा रहेगी तथा आपके इन विचारों से समाज से आप वांछित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त कर सकेंगे।